BEST SELLER

ENGLİSH

STORY BOOK

WRİTTEN BY

TALEEMTECH

RS 499

TALEEM TECH

KNOWLEDGE IS YOUR SUCCESS KEY

STORY TITLE	PAGE NUMBER
The Loyal Dog	3
The Clever Crow	4
The Lion and the Mouse	5-6
The Unexpected Gift	6-7
The Dream Tree	7-8
The Last Train	9-10
The Lost Necklace	10-11
The Silent Guitar	11-12
The Gift of Time	12-13
The Paper Boat	13-14
The Unseen Color	14-15
The Forgotten Garden	15-16
The Magic Pen	16-17
The Stranger on the Bus	17-18
The Ant and the Grasshopper	19-20
The Fox and the Grapes	20-21
The Golden Egg	21-22

"THE LOYAL DOG"

Once there was a poor farmer who had a loyal dog named Moti. Moti would guard the farmer's fields day and night, chasing away birds and animals that tried to eat the crops. The farmer loved Moti deeply, as he had no one else in his life.

One day, a thief tried to steal the farmer's crops at night. Moti barked loudly and chased the thief away, saving the farmer's hard-earned harvest. The next morning, the farmer hugged Moti and fed him a special meal as a thank-you for his loyalty.

From that day on, the farmer realized how important Moti was in his life, not only as a protector but as a friend who truly cared for him. The bond between the farmer and Moti grew stronger, proving that loyalty and love can make even the hardest life more beautiful.

Moral: True loyalty is invaluable and should always be cherished.

"वफादार कुत्ता"

एक गरीब किसान था, जिसके पास मोती नाम का एक वफादार कुत्ता था। मोती दिन-रात किसान के खेत की रखवाली करता, पक्षियों और जानवरों को फसल खाने से रोकता था। किसान को मोती से बेहद लगाव था, क्योंकि उसके जीवन में मोती के अलावा कोई और नहीं था।

एक रात एक चोर किसान के खेत से फसल चुराने की कोशिश करने लगा। मोती ने जोर-जोर से भौंककर चोर को भगा दिया और किसान की मेहनत की फसल बचा ली। अगली सुबह, किसान ने मोती को गले लगाया और उसकी वफादारी के लिए उसे खास खाना खिलाया।

उस दिन के बाद, किसान ने महसूस किया कि मोती सिर्फ एक रक्षक ही नहीं, बल्कि उसका ऐसा मित्र था, जो सच्चे दिल से उसकी परवाह करता था। किसान और मोती का रिश्ता और भी मजबूत हो गया, जिससे ये साबित होता है कि वफादारी और प्रेम कठिन जीवन को भी खूबसूरत बना सकते हैं।

शिक्षा: सच्ची वफादारी अनमोल होती है और उसे सदा संजो कर रखना चाहिए।

"The Clever Crow"

One hot summer day, a crow was very thirsty. He searched for water everywhere, but he couldn't find any. Finally, he saw a pot with a little water at the bottom, but his beak couldn't reach it. The clever crow thought for a while and came up with an idea.

He picked up small pebbles and dropped them into the pot one by one. Slowly, the water level rose, and soon the crow was able to drink the water and quench his thirst.

Moral: Where there's a will, there's a way.

"चतुर कौआ"

एक गर्मी के दिन, एक कौआ बहुत प्यासा था। उसने हर जगह पानी खोजा, लेकिन उसे कहीं पानी नहीं मिला। आखिरकार, उसे एक घड़ा दिखाई दिया, जिसमें थोड़ा सा पानी था, लेकिन उसका चोंच पानी तक नहीं पहुंच पा रहा था। चतुर कौए ने कुछ देर सोचा और एक तरकीब निकाली।

उसने छोटे-छोटे कंकड़ उठाए और एक-एक करके उन्हें घड़े में डालने लगा। धीरे-धीरे पानी का स्तर ऊपर आ गया, और जल्द ही कौआ आराम से पानी पीकर अपनी प्यास बुझा सका।

शिक्षा: जहाँ चाह, वहाँ राह।

"The Lion and the Mouse"

Once upon a time, a lion was sleeping in the forest when a little mouse accidentally ran over his paw. The lion woke up and, very angry, caught the mouse in his huge paw. The mouse squeaked in fear and begged the lion to let him go.

“Please let me go! I promise I will help you someday!” laughed the lion, thinking that such a tiny creature could never be of help. But the lion was feeling generous, so he released the mouse.

A few days later, the lion got trapped in a hunter's net. He roared loudly, and the mouse heard him. Remembering his promise, the mouse rushed to help. He gnawed at the ropes of the net until the lion was free.

The lion was surprised and grateful. “I didn't believe you could help me,” he said. The mouse replied, “Even the smallest friend can be a great help.”

Moral: No act of kindness, no matter how small, is ever wasted.

"शेर और चूहा"

एक बार की बात है, एक जंगल में एक शेर सो रहा था जब एक छोटा चूहा accidentally उसके पंजे पर दौड़ गया। शेर जाग गया और बहुत गुस्से में आकर चूहे को अपने बड़े पंजे में पकड़ लिया। चूहा डर के मारे चिल्लाने लगा और शेर से begged करने लगा कि उसे छोड़ दे।

"कृपया मुझे छोड़ दो! मैं वादा करता हूँ कि मैं एक दिन तुम्हारी मदद करूँगा!" शेर को यह सुनकर हंसी आई, क्योंकि उसे लगा कि इतना छोटा जीव उसकी मदद नहीं कर सकता। लेकिन शेर दयालु महसूस कर रहा था, इसलिए उसने चूहे को छोड़ दिया।

कुछ दिनों बाद, शेर एक शिकारी के जाल में फंस गया। वह जोर से दहाड़ा, और चूहा उसकी आवाज सुनकर वहां पहुंचा। उसने अपनी वादा याद किया और शेर की मदद के लिए दौड़ पड़ा। चूहा जाल की रस्सियों को काटने लगा, और जल्द ही शेर मुक्त हो गया।

शेर चौंका और आभारी हुआ। "मुझे विश्वास नहीं था कि तुम मेरी मदद कर सकते हो," उसने कहा। चूहा बोला, "यहाँ तक कि सबसे छोटे मित्र भी बड़ी मदद कर सकते हैं।"

शिक्षा: दया का कोई भी कार्य, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो, कभी व्यर्थ नहीं जाता।

The Unexpected Gift

In a quiet village, Elara owned a small bakery known for its delicious pastries. She often gave away bread to those in need. One winter day, a weary traveler entered her shop, hungry and cold. Elara offered him a warm loaf, and he gratefully accepted.

As he ate, he shared that he was an artist seeking inspiration. Touched by her kindness, he promised to paint a mural on her bakery wall.

Weeks later, the mural was unveiled, showcasing the village and Elara's spirit. It attracted visitors from far and wide, helping her bakery thrive. The traveler's unexpected gift not only fulfilled Elara's dream but also united the community through kindness.

This version captures the essence of the story in a more concise format.

अप्रत्याशित उपहार

एक छोटे से गाँव में, एलेरा नाम की एक महिला थी, जिसके पास एक छोटी सी बेकरी थी। उसकी बेकरी की महक पूरे गाँव में फैली रहती थी। एलेरा अक्सर जरूरतमंदों को ब्रेड मुफ्त में देती थी।

एक सर्दी के दिन, एक थका हुआ यात्री उसकी बेकरी में आया। वह भूखा और ठंडा था। एलेरा ने उसे गर्म ब्रेड दी। वह बहुत आभारी हुआ और खाने के दौरान बताया कि वह एक कलाकार है, जो प्रेरणा की तलाश में है।

उसकी दया से प्रभावित होकर, उसने एलेरा के बेकरी की दीवार पर एक भित्ति चित्र बनाने का वादा किया।

कुछ हफ्ते बाद, भित्ति चित्र का अनावरण हुआ, जिसमें गाँव और एलेरा की आत्मा को दर्शाया गया। यह दूर-दूर से आगंतुकों को आकर्षित करने लगा, जिससे उसकी बेकरी फलने-फूलने लगी।

यात्री का अप्रत्याशित उपहार न केवल एलेरा के सपने को पूरा किया, बल्कि समुदाय को एकजुट करने का काम भी किया।

यह कहानी संक्षिप्त है और दयालुता के संदेश को व्यक्त करती है।

The Dream Tree

In a small village, there stood an ancient banyan tree known as the "Dream Tree." It was said that if someone tied their dream to its roots, that dream would come true.

One day, a poor boy named Raghav visited the tree. He wanted to become a successful person and provide for his family. With hope in his heart, he tied a piece of thread around a branch, whispering his dream to the tree.

Weeks passed, and a fair came to the village. Raghav decided to showcase his talent there. He performed with all his heart, and soon, he drew the attention of the villagers. His hard work paid off when he received an offer for a good job.

With determination, Raghav worked hard and eventually achieved his dream. He was able to support his family and even opened a school for the village children.

One day, as he sat under the Dream Tree reflecting on his journey, he realized that dreams do come true, but they require hard work and belief. The banyan tree had become a symbol of his inspiration and success.

सपनों का पेड़

गाँव में एक पुराना बड़ का पेड़ था। बच्चे उसे "सपनों का पेड़" कहते थे। कहते थे, जो इसकी जड़ों में अपना सपना बांधता है, उसका सपना सच होता है।

एक दिन, रघु नाम का एक गरीब लड़का पेड़ के पास आया। उसने अपने सपने को एक धागे में बांधकर पेड़ की जड़ों में रख दिया। उसका सपना था कि वह बड़ा आदमी बनेगा और अपने परिवार को खुश रखेगा।

कुछ समय बाद, गाँव में एक मेला लगा। रघु ने वहाँ अपने कौशल का प्रदर्शन किया और लोगों का ध्यान खींचा। मेहनत से उसे एक अच्छा काम मिला।

रघु ने मेहनत की और अपने सपने को साकार किया। उसने अपने परिवार को खुशहाल जीवन दिया और गाँव के बच्चों के लिए स्कूल खोला।

अब वह जानता था कि सपने सच होते हैं, लेकिन इसके लिए मेहनत और विश्वास जरूरी है। बड़ का पेड़ हमेशा उसकी प्रेरणा बना रहा।

यह कहानी संक्षिप्त है और प्रेरणादायक संदेश देती है।

The Last Train

Clara stood at the train station, her heart racing as she watched the last train leave. She had always dreamt of leaving her small town behind, but today felt different. As she turned to leave, she noticed a familiar face among the crowd—her childhood friend, Jack. Memories flooded back: laughter, shared secrets, and unspoken feelings. Clara hesitated, realizing she might be leaving more than just her town.

Jack approached her, a smile breaking through his worry. “You don’t have to go if you don’t want to,” he said softly. Clara felt a warmth in his words. The train whistle blew, urging her to decide.

In that moment, Clara realized that life’s most important journeys aren’t always about distance. Sometimes, the most meaningful choice is to confront your feelings and take a chance on love. Clara took a deep breath and stepped away from the platform, choosing to stay and explore the possibilities that lay ahead with Jack by her side.

अंतिम ट्रेन

क्लारा ट्रेन स्टेशन पर खड़ी थी, उसका दिल तेजी से धड़क रहा था क्योंकि उसने अंतिम ट्रेन को जाते देखा। उसने हमेशा अपने छोटे से गाँव को छोड़ने का सपना देखा था, लेकिन आज कुछ अलग महसूस हो रहा था। जब उसने पीछे मुड़कर देखा, तो उसने जैक का परिचित चेहरा देखा, जो उसके बचपन का दोस्त था।

जैक उसके पास आया, उसकी चिंता के बावजूद मुस्कुराते हुए। “अगर तुम नहीं जाना चाहती, तो तुम्हें जाने की जरूरत नहीं है,” उसने धीरे से कहा। क्लारा ने महसूस किया कि वह सिर्फ अपने गाँव को नहीं छोड़ रही थी।

ट्रेन का सिग्नल बजा, और उसने फैसला किया। उस पल, उसे समझ में आया कि ज़िंदगी की सबसे महत्वपूर्ण यात्राएं हमेशा दूरी की नहीं होतीं। कभी-कभी, सबसे महत्वपूर्ण विकल्प अपने भावनाओं का सामना करना और प्यार पर एक मौका लेना होता है। उसने गहरी साँस ली और प्लेटफॉर्म से हटी, जैक के साथ संभावनाओं की खोज करने का निर्णय लिया।

The Lost Necklace

Maya was excited when she found her grandmother's old necklace in the attic. It was a beautiful piece adorned with sparkling gemstones, and she couldn't wait to wear it to school. The next day, as she walked through the busy streets, she felt like a princess.

However, during lunch, she realized the necklace was missing. Panic gripped her as she retraced her steps, asking classmates if they had seen it. Heartbroken, she returned home, fearing she had lost a family treasure forever.

That evening, she resolved to take a different approach. Instead of dwelling on her loss, Maya decided to focus on kindness. She organized a small gathering for her friends, inviting everyone for games and sharing food.

As the sun began to set, she noticed a shy girl holding something behind her back. Approaching her, the girl revealed the lost necklace. "I found this on the street," she said, her voice barely a whisper. Maya's heart filled with gratitude. That day, she learned that while material things can be lost, the kindness we show to others is what truly connects us.

खोया हुआ हार

माया अपने दादी के पुराने हार को अटारी में पाकर उत्साहित थी। यह एक सुंदर हार था, जिसमें चमकदार रत्न लगे थे। वह स्कूल में इसे पहनने का इंतजार नहीं कर सकती थी।

अगले दिन, जब वह भीड़-भाड़ वाली सड़कों पर चल रही थी, उसे एक राजकुमारी जैसा महसूस हुआ। लेकिन लंच के दौरान, उसने पाया कि हार गायब है। Panic उसके दिल को जकड़ लेती है जब वह अपने कदमों को दोहराने लगती है।

उस शाम, उसने एक अलग दृष्टिकोण अपनाने का फैसला किया। उसने अपनी मित्रों के लिए एक छोटी सी सभा आयोजित की, जहाँ उसने सभी को खेलने और खाने के लिए बुलाया।

जैसे-जैसे सूरज अस्त होता है, वह एक शर्मीली लड़की को कुछ छिपाए हुए देखती है। जब वह उसके पास जाती है, तो लड़की हार को प्रकट करती है। "मैंने इसे सड़क पर पाया," वह धीमी आवाज में कहती है। माया का दिल कृतज्ञता से भर जाता है। उस दिन, उसने सीखा कि भले ही भौतिक वस्तुएं खो जाएं, लेकिन दूसरों के प्रति दयालुता सबसे महत्वपूर्ण चीज है।

The Silent Guitar

In a bustling city, Liam was a talented musician who played his guitar in the park. However, he was painfully shy and never sang. He loved the music but feared the judgment of strangers. One sunny afternoon, while strumming a gentle melody, a little girl named Lily approached him, her eyes sparkling with curiosity.

“Why don’t you sing?” she asked innocently. Liam shrugged, embarrassed. “I’m not brave enough,” he confessed. Lily smiled, her innocence encouraging him. “But your music is beautiful! You should share it!”

Her words lingered in his mind, igniting a spark of courage. The next day, Liam returned to the park, heart racing. He took a deep breath and began to sing softly. To his surprise, people gathered, listening intently.

As he sang, he felt his nerves fade away, replaced by a sense of joy and connection. From that day on, Liam not only played his guitar but also shared

his voice, realizing that music was meant to be shared, and it could create bonds between strangers.

खामोश गिटार

एक हलचल भरे शहर में, लियाम एक प्रतिभाशाली संगीतकार था जो पार्क में गिटार बजाता था। लेकिन वह बहुत शर्मीला था और कभी नहीं गाता था। एक धूप भरे दोपहर, जब वह एक मधुर धुन बजा रहा था, एक छोटी लड़की, लिली, उसके पास आई।

“तुम गाते क्यों नहीं?” उसने बेफिक्र कहा। लियाम ने संकोच में कंधे उचका दिए। “मैं इसके लिए काफी बहादुर नहीं हूँ,” उसने स्वीकार किया। लिली मुस्कुराई, उसकी मासूमियत उसे प्रोत्साहित कर रही थी। “लेकिन तुम्हारी संगीत सुंदर है! तुम्हें इसे साझा करना चाहिए!”

उसकी बातें लियाम के मन में linger करने लगीं। अगले दिन, उसने पार्क में लौटने का निश्चय किया। उसने गहरी सांस ली और धीरे-धीरे गाना शुरू किया।

जैसे-जैसे वह गाने लगा, उसने अपने डर को मिटते हुए महसूस किया। उस दिन से, लियाम ने न केवल अपने गिटार को बजाया बल्कि अपनी आवाज भी साझा की, यह महसूस करते हुए कि संगीत को साझा करना आवश्यक है।

The Gift of Time

Mr. Thompson, an elderly widower, stumbled upon an old pocket watch at a garage sale. It was ornate, with intricate designs, and he was drawn to it. As he wound it up, he noticed it started ticking backward. Intrigued, he quickly discovered that it allowed him to relive one day from his past.

That evening, he decided to revisit the day he proposed to his late wife, Margaret. The moment he activated the watch, he found himself back in a beautiful park, nervously clutching the ring.

Reliving that day brought back a flood of emotions. He felt young and hopeful, and when he saw Margaret's radiant smile, it filled his heart with joy. They laughed, danced, and reminisced about their dreams.

As the day came to an end, Mr. Thompson realized that while he cherished the memories, he couldn't live in the past. The experience taught him to appreciate the present moments and honor Margaret's memory by living fully. He decided to share stories of their love with others, turning his grief into a celebration of life.

समय का उपहार

श्रीमान थॉम्पसन, एक बुजुर्ग विधुर, एक गेराज बिक्री पर एक पुरानी जेब घड़ी पाते हैं। यह सुंदर थी, जटिल डिजाइनों के साथ। जैसे ही उन्होंने इसे घुमाया, उन्होंने देखा कि यह पीछे की ओर टिकने लगी।

शाम को, उन्होंने अपने दिवंगत पत्नी मार्गरिट के साथ प्रस्तावित किए गए दिन को फिर से जीने का निश्चय किया। जब उन्होंने घड़ी सक्रिय की, तो उन्होंने खुद को एक खूबसूरत पार्क में पाया।

उस दिन को फिर से जीना उनके लिए भावनाओं की बाढ़ लेकर आया। उन्होंने मार्गरिट की मुस्कान को देखकर अपने दिल में खुशी महसूस की।

जब दिन समाप्त हुआ, श्रीमान थॉम्पसन ने महसूस किया कि जबकि वह यादों को संजोते हैं, वे अतीत में नहीं रह सकते। उन्होंने निर्णय लिया कि वे दूसरों के साथ अपनी कहानियाँ साझा करेंगे।

The Paper Boat

Aiden was a creative young boy who loved crafting paper boats. He would make them from old newspapers and watch them sail down the stream behind

his house. Each boat was a vessel for his dreams, filled with adventures he imagined as he played by the water.

One sunny afternoon, Aiden created a particularly beautiful boat, decorating it with colorful drawings. He set it afloat, dreaming of it traveling the world. However, when it got stuck on a rock, frustration washed over him.

Determined, Aiden devised a plan. He gathered sticks and stones, using them to build a small bridge to free his boat. After several attempts, he finally succeeded! Watching it float away, Aiden felt a sense of accomplishment.

His adventure taught him the value of perseverance and creativity. Aiden realized that just like his paper boat, dreams may get stuck sometimes, but with patience and effort, he could overcome obstacles. Inspired, he continued to create, knowing that every challenge was an opportunity for growth.

कागज की नाव

एडेन एक रचनात्मक बच्चा था जिसे कागज की नावें बनाना बहुत पसंद था। वह पुराने समाचार पत्रों से उन्हें बनाता और उन्हें अपने घर के पीछे के नाले में तैरता हुआ देखता।

एक धूप वाले दिन, एडेन ने एक खूबसूरत नाव बनाई और उसे तैरने के लिए छोड़ा। लेकिन जब यह एक चट्टान पर अटक गई, तो उसे निराशा हुई।

निश्चय करके, एडेन ने एक योजना बनाई। उसनेsticks और पत्थर इकट्ठा किए, जिससे वह अपनी नाव को मुक्त करने के लिए एक छोटा पुल बना सके।

उसकी कोशिशों के बाद, वह सफल हुआ! उसकी नाव को फिर से तैरते देख, एडेन ने संतोष महसूस किया।

उसकी इस यात्रा ने उसे धैर्य और रचनात्मकता का महत्व सिखाया। एडेन ने समझा कि जैसे उसकी नाव कभी-कभी अटक जाती है, सपने भी अटक सकते हैं, लेकिन धैर्य और प्रयास से वह सभी बाधाओं को पार कर सकता है।

The Unseen Color

In a world where everyone saw only in shades of gray, Ella was different. She began to see bursts of color in her dreams and wanted to share this gift with others. When she told her friends, they laughed, dismissing her visions as childish fantasies.

Determined to show them the truth, Ella started painting. She created vibrant murals on walls throughout the village, each stroke bursting with life. But her friends still couldn't see the colors, and they teased her.

Undeterred, Ella organized a festival where she invited everyone to experience art. She set up colorful booths, shared stories, and encouraged everyone to express themselves. Slowly, as they engaged with her art, something shifted.

To her amazement, people began to smile, their eyes lighting up as they embraced creativity. While they still saw in gray, they felt something change within them. Ella taught them that even without seeing colors, they could find joy and beauty in creativity. Her passion ignited a spark in the village, reminding everyone that imagination knows no bounds.

अदृश्य रंग

एक ऐसी दुनिया में जहाँ सभी केवल भूरे रंग के शेड में देखते थे, एला अलग थी। उसे अपने सपनों में रंगों के धब्बे दिखाई देने लगे थे।

जब उसने अपने दोस्तों को बताया, तो उन्होंने हंसकर उसे बच्चे का ख्वाब समझा। एला ने अपने रंगों को दिखाने का निर्णय लिया और दीवारों पर जीवंत चित्र बनाने लगी।

एक उत्सव आयोजित करके, उसने सभी को कला का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया। धीरे-धीरे, लोग उसकी कला में शामिल होने लगे।

एला ने सिखाया कि बिना रंग देखे भी, हम खुशी और सुंदरता पा सकते हैं। उसकी रचनात्मकता ने गाँव में सभी के दिलों में चमक भर दी।

The Forgotten Garden

Sarah moved to a new house and discovered a neglected garden behind her home. Intrigued, she ventured inside to find overgrown weeds and wildflowers. The garden was a mess, but Sarah felt a strange connection to it.

She decided to restore it, spending hours digging, planting, and watering. As she worked, she found inspiration for her writing, imagining stories of the garden's past. She pictured children playing there, laughter echoing through the trees.

With each flower that bloomed, Sarah felt a sense of accomplishment and connection to her grandmother, who had loved gardening. She uncovered her grandmother's old journal in the attic, filled with sketches and stories about the garden.

Inspired by the memories, Sarah invited her neighbors to help her restore it. Together, they transformed the garden into a vibrant place of beauty and joy. The garden flourished, reflecting her own growth and healing.

Through her efforts, Sarah not only revived the garden but also created a community space, bringing people together and sharing the stories that lived within the flowers.

भुला हुआ बाग़

सारा एक नए घर में गई और वहां एक बाग़ खोजा। बाग़ में झाड़ियाँ और जंगली फूल थे। उसने निर्णय लिया कि उसे इसे फिर से जीवित करना है।

उसने घंटों तक खुदाई की और बाग़ को पानी दिया। जैसे-जैसे वह काम करती गई, उसे लेखन के लिए प्रेरणा मिली।

आखिरकार, उसने अपने पड़ोसियों को बाग़ की मरम्मत में मदद के लिए आमंत्रित किया। सब मिलकर बाग़ को खूबसूरत बना दिया।

सारा ने सीखा कि मेहनत और एकजुटता से हम किसी चीज़ को पुनर्जीवित कर सकते हैं।

The Magic Pen

One day, Alex discovered an old pen in his attic. It looked ordinary, but when he began to draw, the characters he created sprang to life. At first, he was thrilled; he drew fantastic creatures and adventures.

But soon, he realized that with every creation came responsibility. One day, he accidentally drew a mischievous dragon that caused chaos in his town. The creature began to breathe fire and scare the villagers, leaving Alex horrified.

Determined to fix his mistake, Alex quickly sketched a brave knight to confront the dragon. As the knight battled the creature, Alex learned the importance of careful thought and consideration in his creations.

Finally, with a clever strategy, the knight captured the dragon and brought it back to the paper. Grateful for the lesson, Alex understood that creativity is powerful and should be used wisely. He decided to use the pen to create stories that inspired others rather than cause trouble. From that day forward, he drew with purpose, sharing his adventures through safe and joyful tales.

जादुई कलम

एक दिन, एलेक्स ने अपने अटारी में एक पुरानी कलम पाई। उसने पाया कि यह उसे जो कुछ भी बनाता है, वह सच में जी उठता है।

लेकिन एक दिन, उसने गलती से एक शैतानी ड्रैगन बना दिया। उसे पता चला कि रचनात्मकता के साथ जिम्मेदारी भी आती है।

एलेक्स ने जल्दी से एक बहादुर योद्धा का चित्र बनाया। जब दोनों का मुकाबला हुआ, उसने सीखा कि रचनाएँ हमेशा सोच-समझकर बनानी चाहिए।

The Stranger on the Bus

Nora boarded the bus, weary from a long day at work. She sat next to a stranger, a man with an adventurous spark in his eyes. They exchanged pleasantries, and he began sharing stories of his travels around the world.

Intrigued, Nora listened intently as he described bustling markets, serene beaches, and vibrant cultures. Each story painted a picture of a life filled with adventure. The more he spoke, the more Nora realized how stagnant her own life had become.

“Why don’t you travel?” he asked, sensing her yearning for something more. His question lingered in her mind long after they parted ways. Inspired, she began to think about her own dreams and desires.

By the time she reached her stop, Nora had made a decision. She would save up and take that long-desired trip she had always postponed. The stranger’s stories ignited a flame in her heart, reminding her that life is too short to remain in one place. She vowed to embrace adventure and explore the world beyond her comfort zone.

बस में अजनबी

नैरा एक बस में सवार होती है, थकी हुई। वह एक अजनबी के पास बैठती है, जो दुनिया की यात्रा की कहानियाँ साझा करता है।

उसकी कहानियों ने नैरा को प्रेरित किया, और उसने सोचा कि उसे भी अपने सपनों को जीने की आवश्यकता है।

जब वह अपने स्टॉप पर पहुँचती है, तो वह निर्णय लेती है कि वह यात्रा करेगी।

The Ant and the Grasshopper

English: Once upon a time, in a lush green forest, lived an ant and a grasshopper. The ant was hardworking and spent all summer collecting food, while the grasshopper played, danced, and enjoyed the warm weather. The ant warned the grasshopper, "You should store food for winter." But the grasshopper ignored the advice, laughing, "Why worry about winter now?"

Soon, winter arrived. The forest was covered in snow, and food was scarce. The grasshopper shivered and struggled to find anything to eat. Hungry and

cold, he went to the ant's home and begged for food. The kind-hearted ant shared her food but reminded the grasshopper of her advice. The grasshopper realized his mistake and promised to work hard next summer.

This story teaches us the importance of hard work and preparation. It's wise to prepare for the future, rather than living carelessly.

Hindi: एक समय की बात है, हरे-भरे जंगल में एक चींटी और एक टिड्डा रहते थे। चींटी मेहनती थी और सारा गर्मी का मौसम भोजन इकट्ठा करती रही, जबकि टिड्डा खेलता, नाचता और मौसम का आनंद लेता। चींटी ने उसे चेतावनी दी, "तुम्हें सर्दी के लिए खाना इकट्ठा करना चाहिए।" लेकिन टिड्डे ने हंसते हुए उसकी बात अनसुनी कर दी।

जल्द ही सर्दी आ गई। जंगल बर्फ से ढक गया और खाना ढूंढना मुश्किल हो गया। भूखा और ठंड से कांपता टिड्डा चींटी के घर गया और भोजन की भीख मांगी। दयालु चींटी ने अपना भोजन साझा किया और उसे अपनी सलाह की याद दिलाई।

The Fox and the Grapes

English: One hot summer day, a hungry fox was wandering through the forest in search of food. Suddenly, he saw a bunch of juicy grapes hanging from a high vine. The fox's mouth watered at the sight, and he decided to get them.

The fox jumped to reach the grapes, but they were too high. He tried again and again, each time jumping with all his might, but the grapes were still out of reach. Exhausted and frustrated, the fox finally gave up. As he walked away, he muttered, "Those grapes were probably sour anyway. I didn't want them."

This story teaches us not to despise things we can't achieve. Sometimes, when we fail to get what we desire, we pretend it wasn't worth it, but that is just our pride speaking.

Hindi: एक गर्मी के दिन एक भूखी लोमड़ी जंगल में भोजन की तलाश में भटक रही थी। अचानक, उसने ऊंची बेल से लटके हुए रसीले अंगूरों का गुच्छा देखा। अंगूर देखकर लोमड़ी के मुँह में पानी आ गया, और उसने उन्हें पाने का निश्चय किया।

लोमड़ी ने अंगूरों तक पहुँचने के लिए छलांग लगाई, लेकिन वे बहुत ऊँचे थे। उसने बार-बार कोशिश की, पूरी ताकत से कूदी, लेकिन अंगूर फिर भी उसकी पहुँच से बाहर थे। थकी और निराश होकर, आखिरकार लोमड़ी ने हार मान ली। वह दूर जाते हुए बुदबुदाई, "ये अंगूर शायद खट्टे ही होंगे। मुझे इन्हें चाहिए भी नहीं था।"

यह कहानी हमें सिखाती है कि हमें उन चीज़ों को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए जिन्हें हम हासिल नहीं कर पाते।

The Golden Egg

English: Once upon a time, a farmer had a goose that laid one golden egg every day. The farmer was overjoyed and sold the eggs, becoming richer day by day. However, he grew impatient and thought, “If I cut open the goose, I can get all the golden eggs at once!”

Driven by greed, he killed the goose, only to find that there were no eggs inside. Now, he had lost both the goose and the golden eggs. He regretted his greed, but it was too late.

This story teaches us that greed can lead to loss. Instead of being grateful for what we have, excessive desire can make us lose everything.

Hindi: एक समय की बात है, एक किसान के पास एक हंस थी जो हर दिन एक सोने का अंडा देती थी। किसान बहुत खुश था और अंडे बेचकर दिन-प्रतिदिन अमीर होता जा रहा था। लेकिन धीरे-धीरे वह अधीर हो गया और सोचने लगा, "अगर मैं हंस को काट दूं, तो एक ही बार में सभी सोने के अंडे मिल जाएंगे!"

लालच में आकर उसने हंस को मार डाला, लेकिन उसके अंदर कोई अंडे नहीं थे। अब उसके पास न हंस रही, न सोने के अंडे। उसने अपने लालच पर पछताया, पर अब बहुत देर हो चुकी थी।

यह कहानी हमें सिखाती है कि लालच नुकसान की ओर ले जा सकता है। हमारे पास जो है उसके प्रति आभार व्यक्त करने की बजाय, अत्यधिक इच्छा हमें सब कुछ खोने पर मजबूर कर सकती है।

THE END

Thank you to connect with us

if you have any query please contact us 24/7

www.taleemtech.in